Dainik Jagran 31-7-16, Page 14

जागरण मास्टर क्लास : दून स्कूल के छात्रों से रूबरू हुए व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष चिंचलीकर

2020 तक डिजिटल मीडिया का बाजार होगा दोगुना

अनिल उपाध्याय, देहरादून

- चैतन्य चिंचलीकर ने बताया भारत में डिजिटल मीडिया का भविष्य

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती आर्थिकी। बावजूद इसके मीडिया और इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में भारत की राजस्व साझेदारी एक फीसद से भी कम है। दून स्कूल में जागरण मास्टर क्लास के तहत मुक्ता आर्ट्स और व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष चैतन्य चिंचलीकर ने कहा कि कम भागीदारी के बावजूद विकास की दर सुकून देने वाली है। उन्होंने कहा कि आने वाला वक्त डिजिटल मीडिया का है। वर्ष 2020 तक डिजिटल मीडिया का आकार और बाजार करीब दोगुना होगा।

शनिवार को जागरण फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन द दून स्कूल में जागरण मास्टर क्लास लगी। विषय था 'इंडियन डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री: ट्रेंड्स, एनालिसिस, पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर'। मास्टर क्लास चैतन्य चिंचलीकर ने भारतीय मीडिया और इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के मौजूदा स्वरूप के साथ शुरू की। उन्होंने बताया कि भारत में यह इंडस्ट्री 1 लाख 15 हजार 600 करोड़ रुपये की है, जो वैश्विक बाजार की तुलना में महज 0.97 फीसद है। हालांकि, इस बाजार की भारत में विकास दर 14.30 फीसद है, जो सुकून देने वाली है। आंकड़े बताते हैं कि 2015 में भारतीय मीडिया और इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 47 फीसद हिस्सेदारी टीवी की थी, जबकि 12 फीसद सिनेमा की और केवल पांच फीसद डिजिटल मीडिया की। लेकिन, 2020 तक सिनेमा की भागीदारी जहां कम होती दिख रही है, वहीं टीवी में महज दो फीसद का इजाफा नजर आता है, जबकि डिजिटल मीडिया का बाजार दो गुना होने की संभावना है।

चैतन्य ने बताया कि भारत फिल्में बनाने और टिकट बेचने के मामले में नंबर वन है। लेकिन, राजस्व के मामले में काफी पीछे। इसके पीछे बड़ी वजह है भारत में टिकटों का सस्ता होना और स्क्रीन घनत्व के मामले में काफी पीछे होना। उन्होंने बताया कि भारत में औसतन एक से दो डॉलर की दर से टिकट बिकते हैं, जबकि यूएसए समेत तमाम देशों में यह दर 10 से 12 डॉलर की है। स्क्रीन घनत्व पर गौर करें तो भारत में प्रति 10 लाख की आबादी पर छह स्क्रीन हैं, जबकि अमेरिका में 126, फ्रांस में 86, यूके में 61 और चीन में 13। ये दो बड़े कारण हैं कि भारत राजस्व के मामले में पीछे है। चैतन्य ने बताया कि 2015 में भारत में 1400 फिल्में बनाई गई, इनमें हिंदी फिल्मों की भागीदारी महज 16 फीसद (218 फिल्में) है। दक्षिण भारतीय फिल्मों की भागीदारी लगभग 50 फीसद की है।

दून स्कूल में आयोजित जागरण मास्टर क्लास में बच्चों को जानकारी देते विस्लिंग वुड्स व मुक्ता आर्ट्स के वाइस प्रेसीडेंट चैतन्य चिंचलीकर।

इसके बाद चैतन्य ने डिजिटल मीडिया पर फोकस किया। उन्होंने बताया कि भारत में 81.83 फीसद लोग फोन इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें से शहरी क्षेत्र में 148.73 फीसद यानी हर व्यक्ति एक से ज्यादा फोन इस्तेमाल कर रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 50.88 फीसद लोग फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इंटरनेट की बात करें तो भारत में 19 फीसद लोग ही इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि यूएसए में 83 फीसद और चीन में 48 फीसद लोगों तक इंटरनेट की पहुंच है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इंटरनेट की पहुंच और स्पीड दोनों मजबूत होंगी और इसके साथ ही डिजिटल मीडिया का क्षेत्र व्यापक रूप लेगा। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि भारत में मोबाइल फोन पर कुल इंटरनेट के इस्तेमाल का 59 फीसद इंटरटेनमेंट पर किया जाता है। चैतन्य ने इसके बाद इंटरटेनमेंट में डिजिटल मीडिया की भूमिका और भविष्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूट्यूब के पास एक करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं और 70 फीसद हिस्सेदारी है। यूट्यूब 88 देशों में स्थानीय कंटेंट मुहैया कराता है और 50 फीसद की दर से आगे बढ़ रहा है। खास बात यह है कि यूट्यूब पर 50 फीसद कंटेंट मोबाइल के माध्यम से देखा जा रहा है। यूट्यूब के अलावा भी तमाम माध्यम मौजूद हैं। मौजूदा दौर में चर्चित 360 वीडियो और इंटरएक्टिव वीडियो के बारे में भी चैतन्य ने छात्रों को जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए।